मूल्यों के प्रकार

सरकारी निर्णयों एवं क्रियाकलापों में पारदर्शिता होनी चाहिए, इसे सूचना के अधिकार के माध्यम से साकारित करने का प्रयास भी किया गया है परंतु रक्षा सौदों खुफिया जानकारी आदि के संदर्भ में पारदर्शिता के स्थान पर गोपनीयता के मूल्य को स्वीकार किया जाता है। हाल ही में सरकार ने राफेल सौदे के संदर्भ में गोपनीयता के तत्व को महत्व दिया।

- निरपेक्ष मूल्य – निरपेक्ष मूल्य वे हैं जो शाश्वत एवं सार्वभौम माने जाते हैं, सभी सभ्य समाजों में इनकी स्वीकृति होती है, स्थान और काल के अनुसार सामान्यतः इनमें परिवर्तन नहीं होता, जैसे-

KGS KHAN GLOBAL STUDIES IAS

सत्य, दया, प्रेम, न्याय आदि।

यद्यपि कभी-कभी कुछ विशिष्ट परिस्थितियों में इन मूल्यों के विपरीत आचरण को भी उचित माना जा सकता है परंतु ऐसा करने से इन मूल्यों की महत्ता या प्रासंगिकता नष्ट नहीं होती बल्कि मानवीय मूल्यों की स्थिति और सशक्त एवं समृद्ध होती है, जैसे कुछ निर्दोष व्यक्तियों की जान बचाने के लिए झूठ बोलना, भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में इसे आपद धर्म कहा गया है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

- साधन मूल्य और साध्य मूल्य -

↓

जो किसी लक्ष्य या उद्देश्य की प्राप्ति में सहायक है वे साधन मूल्य हैं, जैसे - कार, मकान आदि।

साध्य मूल्य अपने आप में वांछनीय हैं, ये परम शुभ या अंतिम शुभ माने जाते हैं। अरस्तु के अनुसार आनन्द स्वतः साध्य है।

मूल्य संकट →

वर्तमान समाज मूल्य संकट के दौर से गुजर रहा है।

"हम यह जानते हैं कि अच्छा क्या है; हम उसकी सराहना भी करते हैं परंतु उसे अपनाते नहीं हैं।
हम यह भी जानते हैं कि बुरा क्या है, हम उसकी निंदा भी करते हैं फिर भी उसी के पीछे भागते हैं।"
डॉ० सर्वपल्ली राधाकृष्णन।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR

मूल्य संकट से निदान के उपाय →

आंतरिक

- बचपन में ही बच्चों के मन, मस्तिष्क में परिवार, समाज और शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से मूल्यों का बीजारोपण।
- जन्म के समय बच्चों का मस्तिष्क कोरे कागज के समान होता है यद्यपि बालक के विकास में आनुवांशिक तत्वों की भूमिका होती है परंतु आनुवांशिकता का महत्व कच्ची धातु के समान होता है जिसे सामाजीकरण की प्रक्रिया और वातावरण के माध्यम से शुद्ध किया जाता है।

बाह्य

- नियम एवं कानून, आचरण संहिता, लोकपाल, लोकायुक्त, ACV, CBI, ED, CVC, लोकसेवा गारण्टी अधिनियम, सिटिजन चार्टर, सामाजिक अंकेक्षण।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

• जीवन में मूल्यों के बीजारोपण और स्वस्थ नैतिक विकास में परिवार, समाज व शैक्षणिक संस्थानों की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है।

नैतिक चेतना →

आरंभ में मानव परिवार, समुदाय या वर्ग आदि के सलाह व मार्गदर्शन में काम करता है और उन्हीं के अनुसार उचित व अनुचित का निर्धारण करता है परंतु धीरे - धीरे विवेक शक्ति के विकसित / जागृत होने पर वह स्वयं ही सही गलत का निर्धारण करने लगता है, इसके परिणामस्वरूप नैतिक चेतना जागृत होती है।

मूल्य विकसित करने में परिवार की भूमिका →

परिवार समाज की मूलभूत इकाई और नागरिकता

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning
KHAN SIR

की प्रथम पाठशाला है जहाँ बालक मूल्यों का प्रथम पाठ पढ़ता है, अच्छे पारिवारिक वातावरण का प्रभाव बच्चे के मन, मस्तिष्क पर सकारात्मक रूप से पड़ता है।

परिवार बच्चों में संस्कार, अच्छी आदतों के विकास और संस्कृति के हस्तांतरण का कार्य करता है।

सामाजिक नियमों, मर्यादाओं, अनुशासन, सहयोग, नारियों का सम्मान, बड़े बुजुर्गों का सम्मान, सच्चाई, उत्तरदायित्व निर्वहन आदि की प्रथम सीख परिवार से ही प्राप्त होती है। परिवार में विकसित उत्तरदायित्व की भावना कालांतर में सामुदायिक एवं राष्ट्रीय स्तर पर ही प्रबल होती है।

परिवार किस प्रकार मूल्यों को बढ़ावा दे सकता है?→

- परिवार में नैतिक मूल्यों को उपदेशात्मक

रूप से क्रियान्वित करने की बजाय दैनिक जीवन में स्वभाविक प्रक्रिया के रूप में लाया जाना चाहिए, जैसे- स्वच्छता, अनुशासन, सच्चाई, सहयोग आदि।

- माता-पिता का यह कर्तव्य है कि वे बच्चे को गलत संगति से दूर रखें अन्यथा उसमें आपराधिक प्रवृति विकसित हो सकती है।
- माता-पिता की कथनी और करनी में अंतर नहीं होना चाहिए।
- जिस प्रकार का आचरण बच्चे से अपेक्षित है वैसा ही आचरण परिवार के अन्य सदस्यों को करना चाहिए। क्योंकि बच्चे सीखने के क्रम में अनुकरण व अनुसरण की विधि अपनाते हैं।
- माता-पिता को बच्चों को मूल्य आधारित कहानियाँ पढ़ने, सुनने और देखने का

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform

अवसर देना चाहिए जैसे- पंचतंत्र और हितोपदेश की कहानी।

- बच्चों को स्वस्थ मनोरंजन के साधन उपलब्ध कराए जाने चाहिए।
- मोबाइल का अत्यधिक व अनियंत्रित उपयोग बच्चे के शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालता है अतः परिवार के सदस्यों का यह कर्तव्य है कि वे इसके खतरों से बच्चों को अवगत कराएं व इस पर समुचित नियंत्रण रखें।
- अभी हाल ही में ऑस्ट्रेलिया में 16 वर्ष तक के बच्चों को मोबाइल देखने पर प्रतिबंध लगाया गया है।
- बच्चों को Good Touch व Bad Touch से भी अवगत कराया जा सकता है।

KGS IAS
KHAN SIR

मूल्यों को बढ़ावा देने में समाज की भूमिका :-

मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है, व्यक्ति और समाज में अन्योन्याश्रय संबंध है। व्यक्ति के जीवन में मूल्यों के संवर्द्धन और विकास में समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है।

साथियों का समूह, पड़ोसी, जाति एवं वर्ग, सामाजिक, धार्मिक व राजनीतिक संगठन, नागरिक समाज, मीडिया आदि मूल्यों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

समाज में लोगों के शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु योग शिविर, पुस्तकालय, व्यायाम-शाला, क्रीड़ा स्थल, सांस्कृतिक गतिविधियाँ, वाद-विवाद प्रतियोगिता आदि का आयोजन होता है।

इससे व्यक्ति के व्यक्तित्व का विकास

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR

होता है और वह इन गतिविधियों के क्रम में मूल्यों को भी सीखता है।

समाजीकरण की भूमिका →

सामाजीकरण वह प्रक्रिया है जिसके माध्यम से हम समाज में रहना व उसका सक्रिय सदस्य बनना सीखते हैं। इस प्रक्रिया के माध्यम से मनुष्य समाज के मूल्यों व परंपराओं के साथ-साथ व्यवहार के ढंग तथा अपनी सामाजिक भूमिका के संपादन को भी सीखता है।

यदि समाजीकरण की प्रक्रिया सकारात्मक है तो वह परंपरागत मूल्यों के साथ-साथ प्रगतिशील मानवीय मूल्यों, जैसे- लिंग समानता, स्वच्छता, प्रकृति प्रेम आदि को भी सीखता है।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES Most Trusted Learning Platform KHAN SIR